सीएनआई धर्मोपदेश रूपरेखा दिसंबर **2024**

1 दिसंबर **2024**

प्रभु यीशु के जन्म-दिवस के पूर्व चौथा रविवार (एडवेंट अर्थात् आगमन **1**)

धीरज और आशा में मसीह की प्रतीक्षा करना

यिर्मयाह **23.1-6**

भजन **75.1-7**

2 पतरस **3.8-15**क

लूका **12.32-40**

मसीह में प्रिय, जब हम एडवेंट के इस पहले रविवार को एकत्रित होते हैं, तो हम एक पवित्र बेला में कदम रखते हैं, जो आशा, चिंतन और तैयारी से भरी होती है। "एडवेंट" शब्द लैटिन शब्द *एडवेंटस* से लिया गया है, जिसका अर्थ "आगमन" या "आने" से है। एडवेंट आराधना-विधि के वर्ष के आरम्भ का प्रतीक है और यह वह समय है, जब सारे संसार के मसीह विश्वासी बैतलहम में यीशु मसीह के जन्म का उत्सव मनाने, महिमा में उसकी वापसी की आशा करने और आज हमारे जीवन में उसकी उपस्थिति का अनुभव करने के लिए अपने मनों को तैयार करते हैं। एडवेंट केवल क्रिसमस के दिन तक पहुँचने की उलटी गिनती नहीं है, बल्कि हमारे ध्यान को फिर से संगठित करने, हमारे विश्वास को नवीनीकृत करने और धीरज और आशा के साथ मसीह की प्रतीक्षा करने का मौसम है। आज, हम अपने मनन के लिए पवित्रशास्त्र में निर्धारित मूलपाठों पर आधारित चार बिंदुओं के माध्यम से इस विषय की समझ प्राप्त करेंगे।

1. **चरवाहे राजा की प्रतीक्षा करना - यिर्मयाह** 23:1-6

यिर्मयाह की भविष्यद्वाणी में, हम दाऊद के वंश से एक धर्मी राजा, एक चरवाहा जो न्याय और धार्मिकता के साथ शासन करेगा, भेजने की परमेश्वर की प्रतिज्ञा से मुलाकात करते हैं। यह भ्रष्ट अगुवाई और निर्वासन से थके हुए राष्ट्र के लिए आशा का संदेश था। इस चरवाहे राजा का आगमन - बैतलहम में यीशु के जन्म के पहले आगमन में पूरा हुआ। यीशु ने स्वयं यूहन्ना **10:11** में घोषणा की, " अच्छा चरवाहा मैं हूँ।" सांसारिक शासकों के विपरीत जो अपने लोगों को विफल कर देते हैं, यीशु हमारी चरवाही करुणा, प्रेम और न्याय के साथ

चरवाही करने वाला चरवाहा है। आगमन हमें मसीह के पहले आगमन पर कृतज्ञता के साथ पीछे देखने के लिए आमंत्रित करता है। यह हमें याद दिलाता है कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा भरोसेमंद हैं। जिस तरह परमेश्वर ने यीशु को भेजकर अपनी प्रतिज्ञा को पूरा किया, इससे हम आश्वस्त हो सकते हैं कि वह अपने राज्य में अनंत जीवन और शांति की अपनी प्रतिज्ञा पूरा करेगा। तूफ़ान में एक प्रकाश स्तम्भ की विश्वासयोग्यता के बारे में सोचें, जो थके हुए नाविकों को सुरक्षित रूप से किनारे तक ले जाता है। यीशु का आगमन हमारे लिए प्रकाश स्तम्भ की तरह ही है, जो जीवन के तूफ़ानों के बीच आशा और दिशा प्रदान करता है। जब हम पहले आगमन को याद करते हैं, तो हमें स्वयं से पूछना चाहिए: क्या हम मसीह, चरवाहे राजा पर अपनी आशा रख रहे हैं? क्या हम उसे अपनी धार्मिकता और न्याय के साथ हमारा मार्गदर्शन करने दे रहे हैं?

2. धन्यवाद से भरे मन के साथ देखना - भजन **75:1-7**

भजनकार घोषणा करता है कि, "हम तेरी स्तुति करते हैं, हम तेरी स्तुति करते हैं, क्योंकि तेरा नाम निकट है।" यह भजन हमें याद दिलाता है कि हमारा परमेश्वर दूर नहीं है, बल्कि अपनी सृष्टि के मामलों में सक्रिय रूप से मौजूद है। वह न्यायी है, जो नम्र मन वालों को ऊपर उठाता है और अभिमानी को नीचे लाता है। आगमन स्तुति और धन्यवाद का मौसम है, क्योंकि हमें बिना किसी लक्ष्य के भटकने के लिए नहीं छोड़ा जाता है। परमेश्वर का न्याय और दया संसार का मार्गदर्शन करती है। जबकि हम उसके समय को नहीं समझ सकते हैं, हमें यह भरोसा करने के लिए कहा जाता है कि वह अपनी महिमा और हमारे भले के लिए सभी काम कर रहा है। कल्पना कीजिए कि एक माली बीज बोता है और उनके उगने का धीरज के साथ इंतज़ार करता है। माली जानता है कि उगने में समय लगता है, लेकिन फ़सल आनी तो निश्चित है। ठीक इसी तरह, हमें परमेश्वर के सही समय का धीरज के साथ इंतज़ार करना चाहिए, उसकी भलाई पर भरोसा करना चाहिए। क्या हम इंतज़ार करते हुए भी स्तुति से भरे मनों के साथ जी रहे हैं? क्या हम आज अपने जीवन में परमेश्वर की निकटता और उसके न्याय को पहचान सकते हैं?

3. **धीरज के साथ उसकी वापसी की प्रतीक्षा करना -** 2 **पतरस** 3:8-15

इस अंश में, पतरस प्रभु के युगांत संबंधी आगमन - अर्थात् दूसरे आगमन को संबोधित करता है। वह हमें याद दिलाता है कि परमेश्वर का समय हमारे समय से अलग है, क्योंकि "एक दिन

हज़ार वर्ष के बराबर है, और हज़ार वर्ष एक दिन के बराबर हैं।" मसीह की वापसी में स्पष्ट देरी धीमी गति नहीं बल्कि परमेश्वर के धैर्य का प्रदर्शन है, जो मनुष्य को पश्चाताप करने और उसकी ओर मुड़ने का समय देता है। आगमन मसीह की वापसी के लिए तैयारी करने का समय है। यह तैयारी निष्क्रिय नहीं बल्कि सक्रिय है। पतरस हमें पवित्र और भक्तिपूर्ण जीवन जीने के लिए कहता है, क्योंकि हम "एक नए स्वर्ग और एक नई पृथ्वी की ओर देखते हैं, जहाँ धार्मिकता वास करती है।" एक दुल्हन के बारे में सोचिए जो अपने विवाह के दिन की तैयारी कर रही है। वह व्यर्थ में समय बर्बाद नहीं करती बल्कि आनन्द के अवसर के लिए तैयार होने का हर संभव प्रयास करती है। ठीक उसी तरह, हमें अपने दूल्हे, यीशु मसीह की वापसी के लिए तैयार होने के लिए कहा गया है। क्या हम प्रतीक्षा के इस समय का उपयोग पवित्रता में बढ़ने के लिए कर रहे हैं? क्या हम दूसरों के साथ उद्धार का सुसमाचार यह जानते हुए साझा कर रहे हैं कि परमेश्वर का धीरज पश्चाताप का अवसर है?

4. **तैयारी और विश्वासयोग्यता के साथ जागते रहना - लूका** 12:32-40

लूका **12** में यीशु के शब्द हमें याद दिलाते हैं कि "सेवा के लिए तैयार रहो" और अपने दीये जलाए रखो। हमारे मनन के लिए मुख्य वचन लूका **12:40** है: "तुम भी तैयार रहो; क्योंकि जिस घड़ी तुम सोचते भी नहीं, उसी घड़ी मनुष्य का पुत्र आ जाएगा।" यहाँ, यीशु न केवल अपने अंतिम समय में वापस आने के लिए, बल्कि पवित्र आत्मा के माध्यम से हमारे जीवन में उनके दैनिक आगमन के लिए भी सतर्क और तैयार रहने के महत्व पर जोर देता है। इस तैयारी में हमारे समय, तोड़ों और खजानों का विश्वासयोग्यता के साथ प्रबंधन करना शामिल है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, निगरानी ड्यूटी पर तैनात सैनिकों को हर समय सतर्क यह जानते हुए रहना पड़ता था कि दुश्मन बिना किसी चेतावनी के आक्रमण कर सकता है। इसी तरह, हमें आत्मिक रूप से सतर्क यह जानते हुए रहना चाहिए कि मसीह किसी भी क्षण वापस आ सकता है। क्या हम हर दिन एक शाश्वत दृष्टिकोण के साथ जी रहे हैं? क्या हम विश्वासयोग्यता के साथ परमेश्वर और दूसरों की सेवा यह जानते हुए कर रहे हैं कि हर पल उसे महिमा देने का अवसर है?

तिहरे एडवेंट में आशा

जब हम एडवेंट के समय में चलते हुए यात्रा करते हैं, तो हमें तीन तरीकों से मसीह की प्रतीक्षा करने से आने वाली आशा और धैर्य को अपनाने के लिए कहा जाता है:

1. **बैतलहम में उनका पहला आगमन** हमें परमेश्वर की विश्वासयोग्यता और प्रेम की याद दिलाता है।
2. **महिमा में उनका दूसरा आगमन** हमें उसके लौटने की प्रतीक्षा करते हुए पवित्र जीवन जीने के लिए कहता है।
3. **हमारे मनों में उसका आगमन** हमें प्रतिदिन उसकी उपस्थिति और परिवर्तन का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है।

आइए हम इब्रानियों **10:23** की प्रतिज्ञा को थामे रहें: "आओ हम अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामे रहें, क्योंकि जिसने प्रतिज्ञा की है, वह सच्चा है।"

एडवेंट संबंधी मोमबत्तियाँ और एडवेंट संबंधी पुष्पांजलि एडवेंट के समय के दौरान मसीही आराधना-विधि में गहरे प्रतीकात्मक तत्व हैं, जो क्रिसमस की ओर यात्रा और मसीह के जन्म के उत्सव को चिह्नित करते हैं। "दैनिक जीवन के लिए क्रूस के सबक" पर एक उपदेश में उनके बारे में गहरे ज्ञान को जोड़ना आशा, तैयारी और मसीह के प्रकाश के विषयों को सुन्दरता से जोड़ सकता है। यहाँ बताया गया है कि वे क्रिसमस और उसके संदेश से कैसे जुड़ते हैं:

एडवेंट संबंधी पुष्पमाला

एडवेंट पुष्पमाला सदाबहार शाखाओं की एक गोलाकार व्यवस्था है, जो अनंत काल, एकता और ईश्वर के अनंत प्रेम की प्रतीक है। सदाबहार अर्थात् चिरस्थाई रहना हमें जीवन की याद दिलाता है, यहाँ तक कि सबसे गहरी सर्दियों में भी - ठीक वैसे ही जैसे यीशु का क्रूस दु:ख और मृत्यु के बीच आशा का प्रतीक है। गोलाकार परमेश्वर के शाश्वत स्वभाव की ओर संकेत करता है, जिसने अपने पुत्र को क्रूस पर अपनी बलिदानी मृत्यु के माध्यम से अनन्त जीवन लाने के लिए भेजा था।

एडवेंट संबंधी मोमबत्तियाँ

एडवेंट पुष्पमाला पर चार मोमबत्तियाँ, और कभी-कभी पाँचवीं मोमबत्ती (मसीह की प्रतीक मोमबत्ती), प्रत्येक अद्वितीय संदेश देती हैं। वे एडवेंट के रविवार को जलाई जाती हैं, जैसे-

जैसे हम क्रिसमस के करीब आते हैं, प्रकाश बढ़ता जाता है, जो मसीह, अर्थात् संसार के लिए प्रकाश का प्रतिनिधित्व करता है।

1. **पहली मोमबत्ती: आशा (भविष्यद्वाणी की प्रतीक मोमबत्ती)**
यह मोमबत्ती मसीहा की आशा और प्रतिज्ञा का प्रतीक है, जो हमें याद दिलाती है कि यीशु के द्वारा ही उद्धार की परमेश्वर की योजना भविष्यवक्ताओं द्वारा भविष्यद्वाणी की गई थी। यह क्रूस के सबक से जुड़ी है, क्योंकि आशा की पूर्ति मसीह के बलिदान के माध्यम से होती है।

2. **दूसरी मोमबत्ती: शांति (बैतलहम की प्रतीक मोमबत्ती)**
मसीह द्वारा संसार में लाई गई शांति का प्रतिनिधित्व करते हुए, यह मोमबत्ती हमें अपने मनों को तैयार करने के लिए आमंत्रित करती है। क्रूस परमेश्वर और मनुष्य के बीच शांति का अंतिम स्रोत है, जो यीशु के बलिदान के माध्यम से हमारा मेल-मिलाप करता है।

3. **तीसरी मोमबत्ती: आनन्त (चरवाहे की प्रतीक मोमबत्ती)**
अक्सर गुलाबी रंग की यह मोमबत्ती मसीह के आने के आनन्द का उत्सव मनाती है। यह क्रूस और पुनरुत्थान के माध्यम से संभव किए गए उद्धार के आनन्द को दर्शाती है, जो हमें याद दिलाती है कि क्रूस अंत नहीं बल्कि शाश्वत आनंद का मार्ग है।

4. **चौथी मोमबत्ती: प्रेम (स्वर्गदूत की प्रतीक मोमबत्ती)**
यह मोमबत्ती अपने पुत्र को भेजने में परमेश्वर के प्रेम का प्रतीक है। क्रूस प्रेम का सबसे बड़ा कार्य है, और जब हम एडवेंट के दौरान इस पर चिंतन करते हैं, तब हमें मसीह के समान प्रेम से भरा दैनिक जीवन जीने के लिए कहा जाता है।

5. **मसीह की मोमबत्ती (वैकल्पिक, क्रिसमस की पूर्व संध्या या दिन पर जलाई जाती है)**
सबसे बीच में रखी जाने वाली सफ़ेद मोमबत्ती स्वयं मसीह का प्रतिनिधित्व करती है - अर्थात् शुद्ध, पवित्र और संसार के प्रकाश का। यह एडवेंट के चरम का उत्सव मनाती है और क्रूस के माध्यम से पाप और मृत्यु पर यीशु की जय की ओर संकेत करती है।

एडवेंट संबंधी पुष्पमाला और मोमबत्तियाँ हमारे मनों को क्रिसमस के केंद्रीय संदेश पर केंद्रित करती हैं: मसीह का देहधारण, जो परमेश्वर के प्रेम का गहरा कार्य था और उद्धार की कहानी का आरम्भ था, जो क्रूस में जाकर समाप्त होती है। प्रत्येक मोमबत्ती यीशु के जीवन और सेवकाई के एक पहलू को दर्शाती है, जो विश्वासियों को न केवल क्रिसमस के लिए बल्कि दैनिक जीवन के लिए क्रूस के महत्व को समझने के लिए भी तैयार करती है।

• **आशा** हमें परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर भरोसा करने की याद दिलाती है।
• **शांति** हमें अपने जीवन को परमेश्वर की इच्छा के अनुरूप ढालने के लिए कहती है।
• **आनंद** हमें ऐसे लोगों की तरह जीने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिन्हें सुसमाचार मिला है।
• **प्रेम** हमें दूसरों के साथ क्रूस का संदेश साझा करने के लिए बाध्य करता है।

"दैनिक जीवन के लिए क्रूस के सबक" पर विचार करते समय, एडवेंट संबंधी पुष्पमाला एक व्यावहारिक उदाहरण के रूप में काम कर सकती है:
• मोमबत्तियों की रोशनी मसीह में हमारी बढ़ती हुई आशा और आश्वासन को दर्शाती है, ठीक वैसे ही जैसे उसका क्रूस इस संसार के अंधेरे में हमारे मार्ग को प्रकाशित करता है।
• सदाबहार गोलाकार एक अनुस्मारक है कि क्रूस हमें अनंत जीवन तक पहुँच प्रदान करता है, जो यीशु के प्रेम और बलिदान के कभी न खत्म होने वाले प्रभाव पर जोर देता है।
• मोमबत्तियों का प्रत्येक विषय (आशा, शांति, आनंद, प्रेम) दैनिक जीवन के लिए व्यावहारिक सबक प्रदान करता है, विश्वासियों को जीवन में अपने क्रूस को ढोते हुए इन गुणों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

निष्कर्ष
क्रूस के संदेश में एडवेंट संबंधी पुष्पमाला और मोमबत्तियाँ शामिल करना मसीह के जन्म की प्रत्याशा को उसके अंतिम उद्देश्य से जोड़ता है: अर्थात् उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से उद्धार लाना। एडवेंट के दौरान यह जोड़ा जना विश्वासियों की आत्मिक तैयारी को समृद्ध करता है, यह सुनिश्चित करता है कि उनका ध्यान केवल क्रिसमस के दिन पर ही नहीं बल्कि मसीह के उद्धारक कार्य के आजीवन प्रभाव पर भी हो।

प्रार्थना

हे दयालु और प्रेममय परमेश्वर, हम एडवेंट के उपहार के लिए आपका धन्यवाद करते हैं, जो प्रतीक्षा करने, जागते रहने और आशा की बेला है। मसीह के जन्म के उत्सव के लिए अपने मनों को तैयार करने, उसकी वापसी की आशा करते हुए पवित्रता में जीने और हर दिन अपने जीवन में उसका स्वागत करने में हमारी मदद करें। हमें धीरज और विश्वास में मजबूत करें, ताकि हम आपके दूसरे आगमन के लिए सतर्क और तैयार रहें। हमें अपनी शांति और आनंद से भरें, और हमें अंधेरे में संसार में रोशनी लाने के लिए इस्तेमाल करें। हम अपने उद्धारकर्ता और राजा यीशु मसीह के नाम पर यह माँगते हैं। आमीन।